R-1135

B.A. Third Year Private Examination, 2019-2020
SANSKRIT LITERATURE

Paper - First

गीता दर्शन, व्याकरण और भाषा विज्ञान

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 50*

Minimum Marks : 17

खण्ड-अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। **[5×4=20]**

1. अधोलिखित की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

न हि प्रपश्यामि ममापनुद्याद्
यच्छोकमुच्छोषणमिन्द्रियाणाम्।
अवाप्य भूमावसपत्नमृद्धं
राज्यं सुराणामपि चाधिपत्यम्।।

अथवा

आश्चर्यवत्पश्यति कश्चिदेन –

माश्चर्यवद् वदति तथैव चान्यः।

आश्चर्यवच्चैनमन्यः शृणोति

श्रुत्वाप्येनं वेद न चैव कश्चित्।।

2. निम्नलिखित की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

ब्रह्मारम्भेऽवसाने च पादौ ग्राह्यौ गुरोः सदा।

संहृत्य हस्तावध्येयं स हि ब्रह्माञ्जलिः स्मृतः।।

व्यत्यस्तपाणिना कार्यमुपसंग्रहणं गुरोः।

सव्येन सव्यः स्पृष्टव्यो, दक्षिणेन च दक्षिणः।।

अथवा

यात्रामात्रप्रसिद्धयर्थं स्वैः कर्मभिरगर्हितैः।

अक्लेशेन शरीरस्य कुर्वीत धनसंचयम्।।

सन्तोषं परमास्थाय सुखार्थी संयतो भवेत्।

सन्तोषमूलं हि सुखं दुःखमूलं विपर्ययः।।

3. कठोपनिषद् का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

कठोपनिषद् के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए :

(i) यत्

(ii) क्त्वा

(iii) अण्

(iv) टाप्

5. भाषा के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

अथवा

भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय दीजिए।

खण्ड-ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। **[3×10=30]**

6. भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय की विषय-वस्तु की विवेचना कीजिए।

7. आश्रम-व्यवस्था से आप क्या समझते हैं? गृहस्थ आश्रम का वर्णन कीजिए।

8. उपनिषदों में कठोपनिषद् का स्थान निरूपित कीजिए।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों में प्रयुक्त प्रत्ययों को सूत्र-निर्देशपूर्वक सिद्ध कीजिए :

(i) पठनीयम्

(ii) कार्यम्

(iii) आगत्य

(iv) नेतुम्

(v) गतः

(vi) त्यक्तवान्

(vii) शृण्वन्

(viii) गोमान्

(ix) वैनतेयः

(x) भवन्ती

10. अर्थ परिवर्तन की दिशाओं की विवेचना कीजिए।

◆◆◆